ISSN No. 2231-0045 VOL.II* ISSUE-IV*MAY-2014
Periodic Research

इन्दौर तहसील में जनसंख्या वृद्धि : एक भौगोलिक अध्ययन

सारांश

प्रस्तुत शोध पत्र में इंदौर तहसील की जनसंख्या वृद्धि तथा बदलते प्रतिरूप का अध्ययन करने का प्रयास किया गया है । अध्ययन क्षेत्र इंदौर मध्यप्रदेश का सबसे बडा नगर है । यह मालवा के पठार एवं इंदौर संभाग में 22 ० 49, उत्तरी अक्षांश तथा 75 ० 42, पूर्व से 76 ० 15, पूर्वी देशांतर के मध्य स्थित है । इंदौर तहसील का कुल क्षेत्रफल 948.77 वर्ग कि.मी. है । कुल जनसंख्या 2011 के अनुसार 2389511 है । क्षेत्र का जनसंख्या घनत्व 2518 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी. है । सन् 2001 में इंदौर तहसील की जनसंख्या 1761689 थी जो 2011 में बढकर 2389511 हो गई है । सन् 1981 में सबसे अधिक 42.17 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई । इसके बाद के दशकों में निरंतर जनसंख्या में वृद्धि धीमी गति से दर्ज की गई । प्रस्तुत शोध पत्र का मुख्य उद्देश्य इंदौर तहसील में जनसंख्या वृद्धि घनत्व एवं सर्वेक्षित पांच ग्रामों में बदलते हुए लिंगानुपात एवं जनसंख्या वृद्धि घनत्व का विस्तृत अध्ययन है ।

मुख्य शब्द इंदौर, जनसंख्या, लिंगानुपात, तहसील

प्रेमसिंह डावर
सहा.प्राध्यापक,
विभाग भूगोल
शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय,
झाबुआ (म.प्र.)

जितेन्द्र रावत
शोधार्थी,
विभाग भूगोल
शासकीय कन्या
महाविद्यालय मोती
तबेला इन्दौर (म.प्र.)

प्रस्तावना

जनसंख्या का अध्ययन किसी देश व क्षेत्र की सामाजिक, आर्थिक एवं अन्य गतिशीलता को समझने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, जनसंख्या के आधार पर उस क्षेत्र की सामाजिक, आर्थिक समस्याओं का ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है।जनसंख्या वृद्धि के अंतर्गत जनसंख्यात्मक व संरचनात्मक विशेषताओं के विवरण और अंतर उत्पन्न करने वाले गतिशील तत्वों के अध्ययन के साथ–साथ क्षेत्रीय विभिन्नताओं को प्रभावित करने वाले कारकों के जनसंख्यात्मक तथ्यों से अंत संबंधों की व्याख्या की जाती है। जनसंख्या में क्रांतिक परिवर्तन ही जनसंख्या वृद्धि और गुणात्मक वृद्धि कहलाती है।वृद्धि दो प्रकार की होती है । धनात्मक वृद्धि ओर गुणात्मक वृद्धि । इस प्रकार के परिवर्तन के लिए प्राकृतिक वृद्धि अथवा हास एवं आव्रजन प्रव्रजन विशेष रूप से उत्तरदायी होते हैं। (मायोरिया 2012)

विकासशील देशों में जनसंख्या वृद्धि दर इतनी अधिक है कि आर्थिक उन्नयन के बावजूद जीवन स्तर को ऊपर उठाना एक कठिन कार्य है। इसके विपरिंत विकसिक राष्ट्रों में जहां एक ओर तीव्र आर्थिक विकास हो रहा है जनसंख्या वृद्धि मंद है। कृषि आधारित आर्थिक तत्व वाले देशों में बढती जनसंख्या का भरण–पोषण इसलिए भी कठिन हो रहा है कि वहां संसाधनों के नाम पर केवल भूमि का उपयोग हो रहा है। तीव्र जनसंख्या वृद्धि से न केवल भोजन, शिक्षा तथा स्वास्थ्य की समस्या उत्पन्न हो रही है वरन् संसाधनों के तीव्र विदोहन के कारण उनका तीव्र गति से विनाश भी हो रहा है। प्राकृतिक संसाधन सीमित है। फलतः निकट भविष्य में इसकी संसाधनता समाप्ति होने की संभावना है। जनसंख्या विस्फोट जिसके कारण खाद्य पदार्थो तथा अन्य संसाधनों की बढती हुई मांग के कारण सीमित संसाधनों पर जनसंख्या का दबाव बढ रहा है।

अध्ययन का उद्देश्य

1. अध्ययन क्षेत्र में जनसंख्या वद्धि के क्रांतिक व स्थानिक प्रतिरूप का अध्ययन करना ।
2. जनसंख्या वृद्धि एवं स्त्री–पुरूष अनुपात का विश्लेषण ।
3. जनसंख्या वृद्धि के आर्थिक स्तर पर प्रभाव का अध्ययन ।
4. जनसंख्या वृद्धि के अंतराल को कम करने के लिए व्यावहारिक योजनाऐं ।

शोध प्रविधि

शोध अध्ययन के लिए व्यवस्थित स्तरित और याद्धाच्छिक प्रतिचयन विधि से प्रतिदर्श सेम्पलिंग विधि के द्वारा 5 गांवों को चुना गया एवं उन गांवों के

भौगोलिक स्थिति एवं उनमें पाई जाने वाली विभिन्नताओं का विश्लेषण किया गया है।

प्रस्तुत शोध अध्ययन के लिए प्राथमिक एवं द्वितीयक आंकडों का उपयोग किया गया है।

प्राथमिक आंकडे

प्राथमिक आंकडों का एकत्रण हेतु तहसील में स्तरित याद्धाच्छिक प्रतिचयन विधि द्वारा प्रतिदर्श गांवों का चयन किया गया । ग्रामीण सर्वेक्षण करने के लिए प्रश्नावली बनाकर ग्रामीणों का साक्षात्कार लेकर प्राथमिक आंकडों का संकलन किया गया ।

द्वितीयक आंकडे

द्वितीयक आंकडों का एकत्रण जनगणना विभाग मध्यप्रदेश (भोपाल) संचालक कृषि विभाग जिला सांख्यिकीय कार्यालय,शोध पत्रिकाये, सरकारी एवं गैर सरकारी कार्यालयों जिला गजेटियर के माध्यम से प्राप्त किये गये ।

अध्ययन क्षेत्र

इंदौर मध्यप्रदेश का सबसे बडा नगर है। इसका कृषि औद्योगिक विकास एवं उच्च शिक्षा के केन्द्र के रूप में महत्वपूर्ण स्थान है । यह मालवा के पठार एवं इंदौर संभाग में 22 32 उत्तर से 22 49 उत्तरी अक्षांश तथा 75 42 पूर्व से 76 15 पूर्वी देशांतर के मध्य स्थित है। इसका क्षेत्रफल 948.77 वर्ग किलोमीटर है तथा इसकी समुद्र तल ऊंचाई 553 भीतर है। कुल जनसंख्या 2389511 है। जिसमें पुरूष की जनसंख्या 1241079 व स्त्रियों की संख्या 114843 है। इस तहसील की जनसंख्या वृद्धि दर 35.63 प्रतिशत है। इसके उत्तर मे सांवेर दक्षिण में महू, पूर्व में देवास तथा पश्चिम में देपालपुर तहसील स्थित है । इसकी सीमा प्राकृतिक रूप से पूर्व में क्षिप्रा नदी पश्चिम में चम्बल दक्षिण में विंध्याचल श्रेणी द्वारा सीमांकित है ।

तालिका क्रमांक–01
इंदौर तहसील में जनसंख्या वृद्धि
1951–2011

वर्ष	कुल जनसंख्या	जनसंख्या वृद्धि हजारों में	दशकीय वृद्धि प्रतिशत में
1951	378334	–	–
1961	480164	101830	26.91
1971	682531	202367	42.14
1981	970410	287879	42.17
1991	1290905	320495	33.02
2001	1761689	470784	36.46
2011	2389511	627822	35.63

स्त्रोत : जिला सांख्यिकीय पुस्तिका जनगणना 2011

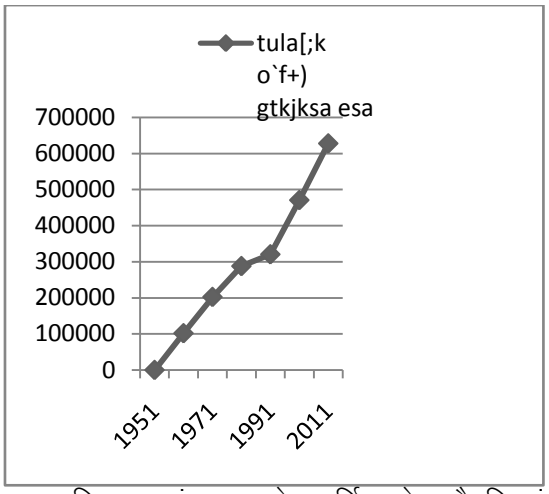

तालिका क्रमांक 1.1 से प्रदर्शित होता है कि इंदौर तहसील की जनसंख्या इस शताब्दीं के प्रारंभ से दुगुनी से अधिक हो गई है । सन् 1951 से 2011 में जनसंख्या 378334 से बढकर 23,89511 हो गई ।

सन् 1951–61 के काल दौरान इंदौर तहसील की जनसंख्या 378334 से बढकर 480164 हो गई । इस काल के दौरान जनसंख्या में 101830 की वृद्धि हुई । इस अवधि में उच्च जन्मदर तथा उच्च मृत्यूदर से संतुलन बना रहा । 1951–61 के दशक में 26.91 प्रतिशत जनसंख्या में दशकीय वृद्धि दर दर्ज की गई । सन् 1961–71 के काल के दौरान जनसंख्या 480164 से बढकर 682531 हो गई । इस दशक के दौरान जनसंख्या में 42.14 दशकीय वृद्धि दर्ज की गई । 1951–1971 की समयावधि में जनसंख्या में तीव्र वद्धि हुई ।

वर्ष 1971–81 दशक के दौरान जनसंख्या में धीमी गति से वृद्धि हुई । इस समय जनसंख्या 682531 से बढकर 970410 हो गई । इन दस वर्षो के दौरान 287879 जनसंख्या में वृद्धि हुई । इस अवधि दशकीय वृद्धि दर 42.17 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई । सन् 1971–81 के दौरान तहसील में शिक्षा, सुविधाऐं, औद्योगिक विकास और चिकित्सा सुविधाऐं उपलब्ध होने के कारण इस तहसील में तीव्र गति से जनसंख्या में वृद्धि दर्ज की गई ।

वर्ष 1981–91 के दौरान जनसंख्या 970410 से बढकर 1290905 हो गई । 1981–91 के दशक में 320495 जनसंख्या में वृद्धि दर दर्ज की गई । तथा इस अवधि में 33.02 प्रतिशत जनसंख्या में दशकीय वृद्धि दर दर्ज की गई । तथा दशकीय वृद्धि दर 1981–91 के दौरान दशकीय वृद्धि दर 9.15 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई । वृद्धि दर इसका प्रमुख कारण परिवार, नियोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य वर्ष 1991–2001 की समय अवधि के दौरान जनसंख्या 1290205 से बढकर 2001 में 1761689 हो गई । इस अवधि के दौरान जनसंख्या में 470784 वृद्धि दर दर्ज 1761689 की गई । तथा जनसंख्या में 36. 46 प्रतिशत दशकीय वृद्धि दर दर्ज की गई । सन् 2001–2011 की समय अवधि के दौरान जनसंख्या 1761689 से बढकर 2011 में 2389511 हो गई । इस अवधि के दौरान जनसंख्या में 627822 वृद्धि दर्ज की गई। तथा जनसंख्या में35.63 प्रतिशत दशकीय वृद्धि दर दर्ज

की गई । इस समय अवधि में इंदौर तहसील से 2011 में जनसंख्या में दशकीय वृद्धि दर 0.83 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई । सन् 2001–2011 की अवधि में जनसंख्या में कमीं के प्रमुख कारण साक्षरता में वृद्धि, आर्थिक स्तर में वृद्धि, परिवार नियोजन के फायदे के प्रति जागरूकता, कम औद्योगिक उन्नति, विज्ञान और टेक्नोलॉजी के विकास फलस्वरूप इंदौर तहसील में जनसंख्या वृद्धि में कमी दर दर्ज की गई ।

सर्वेक्षित ग्राम की जनसंख्या वृद्धि

तालिका 1.2

सर्वेक्षित ग्रामवार जनसंख्या वृद्धि (2001–2013)

क्रमांक	सर्वेक्षित ग्राम	कुल जनसंख्या 2001	कुल जनसंख्या 2013	निरपेक्ष वृद्धि 2013	2001.2013 के मध्य वृद्धि दर
1	बिसनावदा	2074	2347	+273	13.16
2	रंगवासा	6678	8632	+1954	29.26
3	जम्बूडीं हरसी	2495	2903	+408	16.35
4	उमरी खेडा	1366	1986	+620	45.38
5	सोनगिर	809	912	+103	12.73

स्त्रोत :– 1. प्राथमिक सर्वेक्षण 2013, 2. जिला सांख्यिकी पुस्तिका जनगणना 2001, 2011

सर्वेक्षित ग्राम बिसनावदा की कुल जनसंख्या 2001 की जनगणना के अनुसार 2074 है तथा 2013 के सर्वेक्षण में यह जनसंख्या बढकर 2347 हो गई। उपरोक्त तालिका 1.2 से स्पष्ट होता है कि 2001 से 2013 के मध्य में जनसंख्या की निरपेक्ष वृद्धि दर + 273 की वृद्धि हुई । तथा 2001–2013 की अवधि में 13.16 प्रतिशत जनसंख्या में वृद्धि दर्ज की गई । ग्राम रंगवासा में 2001–2013 के मध्य जनसंख्या में + 1954 की वृद्धि एवं दशकीय वृद्धि दर 2001–2013 के मध्य 29.26 प्रतिशत वृद्धि दर दर्ज की गई । ग्राम जम्बूडी हरसी में 2001–2013 के मध्य + 408 की वृद्धि एवं दशकीय वृद्धि दर 16.3 प्रतिशत है । ग्राम उमरी खेडा में 2001–2013 के मध्य + 620 की वृद्धि और दशकीय वृद्धि दर 45.38 दर्ज की गई । इस प्रकार ग्राम सोनगिर में 2001–2013 के मध्य + 103 की वृद्धि की दशकीय वृद्धि दर 12.73 प्रतिशत दर्ज हुई ।

जनसंख्या में घनत्व

किसी प्रदेश में निवास करने वाले मनुष्यों क संख्या और प्रदेश के क्षेत्रफल के पारस्परिक अनुपाल में संबंध जनसंख्या घनत्व कहलाता है । यह घनत्व उस प्रदेश की उन्नति और भावी विकास के अनुमान लगाने में मुख्य आधार होता है । जनसंख्या घनत्व क्षेत्र की प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता व आर्थिक विकास की अवस्था पर निर्भर करता है ।

तालिका क्रमांक 1.3

सर्वेक्षित ग्राम वार जनसंख्या एवं क्षेत्रफल

(2001–2013)

क्रमांक	सर्वेक्षित ग्राम	कूल जन संख्या 200	क्षेत्रफल हेक्टेयर में	जनसंख्या घनत्व 2001	कुल जनसंख्या घनत्व 2013	जनसंख्या घनत्व 2013	निरपेक्ष घनत्व में वृद्धि
1	बिसनावदा	2074	588.89	352	2347	398	+46
2	रंगवासा	6678	1044.82	639	8632	826	+187
3	जम्बूडीं हरसी	2495	1252.82	193	2903	231	+38
4	उमरी खेडा	1366	374.39	356	1986	530	+174
5	सोनगिर	809	544.62	148	912	167	+19

स्त्रोत :– 1. प्राथमिक सर्वेक्षण 2013, 2. जिला सांख्यिकी पुस्तिका जनगणना 2001

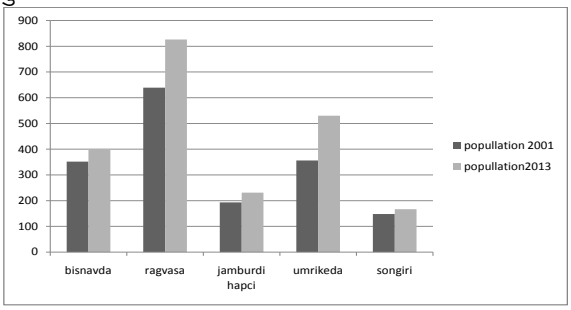

तालिका क्रमांक 1.3 से स्पष्ट होता है कि सर्वेक्षित ग्राम बिसनावदा की जनसंख्या का घनत्व 2001 के अनुसार 352 वर्ग किलोमीटर रहा है । जो प्राथमिक सर्वेक्षण 2013 में 398 हो गया । ग्राम रंगवासा में जनसंख्या का घनत्व 2001 में 639 था, जो बढकर 2013 में 826 हो गया । ग्राम जम्बुडी हरसी में जनसंख्या का घनत्व 2001 में 193 था जो 2013 में बढकर 231 हो गया । ग्राम उमरी खेडा में जनसंख्या का घनत्व 2001 में 356 था जो 2013 में बढकर 530 हो गया । इसी प्रकार ग्राम सोनगिर में जनसंख्या का घनत्व 2001 में 148 जो बढकर 167 हो गया ।

लिंग अनुपात

जनसंख्या में स्त्री–पुरूष के अनुपात से जनता की शारीरिक शक्ति का अनुमान होता है। प्रति हजार पुरूष पर स्त्रियों की संख्या से स्त्री–पुरूष अनुपात ज्ञात किया जाता है

तालिका 1.4

सर्वेक्षित ग्रामवार स्त्री–पुरूष अनुपात (2001–2013)

क्रमांक	सर्वेक्षित ग्राम	जनसंख्या 2001			जनसंख्या 2013		
		पुरूष	स्त्री	लिंगानुपात	पुरूष	स्त्री	लिंगानुपात
1	बिसनावदा	0091	983	901	1258	1809	1155
2	रंगवासा	3358	3320	938	4046	4586	882
3	जम्बूडीं हरसी	1285	1210	941	1489	1414	1053
4	उमरी खेडा	677	659	973	1025	961	1066
5	सोनगिर	421	388	921	476	436	1091

स्त्रोत :– 1. प्राथमिक सर्वेक्षण 2013, 2. जिला सांख्यिकी पुस्तिका जनगणना 2001

तालिका 1.4 से स्पष्ट होता है कि सर्वेक्षित ग्राम बिसनावदा में 2001 की जनसंख्या के अनुसार लिंगानुपात 901 था जो प्राथमिक सर्वेक्षण 2013 में बढकर 115 हो गया । ग्राम रंगवासा में 2001 के अनुसार लिंगानुपात 938 था जो प्राथमिक सर्वेक्षण 2013 के अनुसार घटकर 882 हो गया । ग्राम जम्बुडी हरसी में लिंगानुपात 2001 में 941 था जो 2013 में बढकर 1053 हो गया । ग्राम उमरी खेडा में लिंगानुपात 2001 में 973 था जो बढकर 2013 में 1066 हो गया । इसी तरह ग्राम सोनगिर में लिंगानुपात 2001 में 921 था जो बढकर 1091 हो गया ।

निष्कर्ष

इंदौर तहसील की जनसंख्या के अनुकूलन नियोजन की दृष्टि से इन सम्भावनाओं का महत्व और भी अधिक अधिक बढ गया है । तहसील को एक इकाई मानकर यदि इसकी जनसंख्या को देखें तो यहां प्राकृतिक स्त्रोतो की कमी नहीं हैं । भविष्य में यदि वर्तमान गति से जनसंख्या वृद्धि होती रही तो यह अधिक लोगों को भोजन वस्त्र एवं आवास प्रदान करने में समर्थ बना रहेगा, किन्तु यह तथ्य निवासियों का जीवन स्तर ऊपर उठाने के लिए, भोजन उत्पादन में वृद्धि करना, आर्थिक संसाधनों का वैज्ञानिक ढंग से उपयोग विकास एवं संरक्षण, ओद्योगिकीकरण, जिससे नगरीयकरण की प्रवृत्ति में वृद्धि, शिक्षा का प्रचार, देरी से विवाह, स्थानांतरण और परिवार नियोजन आदि ।

इंदौर तहसील की जनसंख्या में संख्यात्मक वृद्धि के साथ गुणात्मक वृद्धि की आवश्यकता है । जनसंख्या की गुणात्मक वृद्धि से तात्पर्य यह है कि जनसंख्या बहुउद्देशीय हो तथा रहन–सहन के स्तर के साथ ही शैक्षणिक स्तर में भी वृद्धि हो, किसी क्षेत्र की संस्कृति का निर्माण उस क्षेत्र के निवासियों द्वारा ही किया जाता है । अतः क्षेत्र विशेष की जनसंख्या का बौद्धिक स्तर ऊंचा होना अत्यन्त आवश्यक है । इसके परिणाम अधिक सकारात्मक होंगें । जिसमें न केवल जिले वरन् राज्य व देश के विकास में भी इस क्षेत्र का अंशदान महत्वपूर्ण समझा जाएगा । और इसी तरह से जिले व तहसील के संसाधनों का उचित व सही तरीके से उपयोग हो सकेगा

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. एस.डी. कौशिक एवं ए.के. शर्मा (1996–97) : – मानव एवं आर्थिक भूगोल, रस्तोगी पब्लिकेशन, शिवाजी रोढ मेरठ (उ.प्र.) ।
2. कमलाकांत दुबे एवं महेन्द्र बहादूर सिंह (1994) : – जनसंख्या भूगोल, रावत पब्लिकेशन, जवाहर नगर जयपुर, (राजस्थान) ।
3. पाण्डा डी.बी.पी. (2004) : – जनसंख्या भूगोल, म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल म.प्र.
4. सिंह, डॉ. देवेन्द्रनाथ (1988) : – जनसंख्या वृद्धि का ग्रामीण विकास पर प्रभाव, उत्तर भारत भूगोल, पत्रिका उत्तर भारत भूगोल परिषद् गोरखपुर ।
5. V01 23- 24 NO - 2, PP, 60.69
6. मिश्रा डॉ.जे.पी. (2009) : – जनांकिकी :– साहित्य भवन पब्लिकेशन, हॉस्पिटल रोड आगरा